हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 04 अंक–64 : जौनपुर, रविवार 24 अप्रैल 2022 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

बड़ी कार्रवाई की तैयारी में पुलिस : अकबर बंजारा कैसे बना 300 करोड़ की संपति का मालिक

मेरठ ब्यूरो : सात साल पहले गो तस्करी में उतरे अकबर बंजारा ने 300 करोड़ से ज्यादा की संपति अर्जित कर ली। 18 अप्रैल को अकबर बंजारा और उसके भाई सलमान को असम पुलिस ने ढेर कर दिया। जांच में सामने आया कि पिता पीरू बंजारा गांव–गांव में घूमकर पशुओं की खरीद–फरोख्त करता था। उसके पांच बेटे थे, जिनको इसी काम में लगाया था। तीसरे नंबर का बेटा अकबर बंजारा सिर्फ सात साल में ही अरबपति बन बैठा। अकबर ने गोतस्करी के इस धंधे में अपने छोटे भाई सलमान को भी शामिल कर लिया था। अकबर गो–तस्करी के धंधे में आगे बढ़ता गया और उसने अकूत संपत्ति अर्जित कर ली। असम में रेड्डी गैंग से हाथ मिलाने के बाद तो वह अंतरराष्ट्रीय तस्कर बन गया और विदेशों तक नेटवर्क फैला लिया। सात साल पहले गो–तस्करी में उतरे बंजारा की करीब 300 करोड़ संपत्ति जांच में सामने आई है। पुलिस अब हर पहलू पर जांच कर रही है। उसके आईएसआई से भी कनेक्शन मिले हैं। वहीं पुलिस ने अकबर बंजारा की मौत के बाद बड़ी कार्रवाइ करने की तैयारी कर ली है। बड़ी कार्रवाई की तैयारी में पुलिस अकबर बंजारा की अवैध संपत्ति जब्त करने के लिए पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। सात साल में अकबर 300 करोड़ की संपत्ति का मालिक कैसे बन गया, इसकी कुंडली खंगाली जा रही है। अकबर के भाई शमीम की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि अकबर ने अपनी संपत्ति भाइयों और परिवार के लोगों के नाम की हुई है। समुद्र के रास्ते दूसरे देशों में होती थी मीट की सप्लाई फलावदा स्थित बंजारन मोहल्ला निवासी अकबर बंजारा और सलमान को असम पुलिस कस्टडी में कोकराझाल के पास 18 अप्रैल की रात 1:15 बजे उग्रवादी हमले में मारा गया। असम पुलिस ने खुलासा किया कि अकबर का पाकिस्तान की आईएसआई से कनेक्शन था। समुद्र के रास्ते से गोमांस की आपूर्ति बांग्लादेश समेत दूसरे देशों में होती थी। सात साल में अकबर बंजारा ने करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित की। फलावदा, बहसूमा, शास्त्रीनगर, लिसाड़ीगेट बिजनौर और दिल्ली में उसकी संपत्ति की जानकारी पुलिस को मिली है। भाई और परिवार के नाम की संपति एसपी देहात केशव कुमार का कहना है कि गोतस्करी से अकबर बंजारा ने जो संपत्ति अर्जित की है, वह अपने भाइयों

और परिवार के नाम भी की है। अकबर के दो भाई है, जिसमें एक जेल में है और दूसरा फलावदा में रहता है। एसएसपी प्रभाकर चौधरी का कहना है कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच चल रही है। अवैध संपत्ति की जानकारी ली जा रही है। काली कमाई को ऐसे ठिकाने लगाता था अकबर अंतराष्ट्रीय गोतस्कर अकबर बंजारा ने तीन साल पहले शास्त्रीनगर में आलीशन कोठी खरीदी, लिसाड़ीगेट में दो मार्केट बनाई, बिजनौर और बहसूमा में जमीन खरीदी है। वह 39 बीघा जमीन का बैनामा कराने की थी तैयारी में लगा हुआ था। वह अपनी काली कमाई का निवेश अधिकतर प्रॉपर्टी में करता था। कैसे कमाए 300 करोड़, कुंडली खंगाल रही पुलिस पुलिस का दावा है कि सात साल पहले गो–तस्करी में उतरे बंजारा की करीब 300 करोड़ संपत्ति जांच में सामने आई है। पुलिस ने उसकी संपत्ति के बारे में देहात इलाके से जानकारी ली। जिसमें पता चला कि अकबर बंजारा ने बहसूमा में 58 बीघा आम का बाग खरीदा था। दो करोड़ में खरीदी आलीशन कोठी पास में ही 39 बीघा बाग खरीदने के लिए भी अकबर बंजारे ने बयाना भी दिया हुआ है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि तीन साल से अकबर लगातार जमीन खरीद रहा है। तीन साल पहले शास्त्रीनगर आरटीओ के पास सेक्टर–10 में दो करोड़ में एक आलीशन कोठी खरीदी। लिसाड़ीगेट में 100 फुटा रोड फतेहउल्लापुर में दो मार्केट बनाई। जिसमें एक मार्केट में सात दुकान और दूसरी मार्केट में 5 दुकानें बनी है, जोकि किराये पर चलती है। इसके अलावा भी लिसाड़ीगेट में उसके कई प्लाट बताए हैं। बंजारे की कार से चलता था प्रॉपर्टी डीलर अकबर बंजारे की बहसूमा में रहने वाले एक प्रॉपर्टी डीलर से दोस्ती थी। यह प्रॉपर्टी डीलर ही बंजारे को जमीन की खरीद–फरोख्त कराता था। अकबर ने छह महीने से उक्त प्रॉपर्टी डीलर को अपनी कार दी थी। यह कार अकबर बंजारे के नाम है और उसका रजिस्ट्रेशन लखनऊ का है। हाल में छह करोड़ की जमीन बेची थी। पुलिस ने बताया कि बिजनौर, बहसूमा, मवाना, लिसाड़ीगेट, शास्त्रीनगर समेत कई जगहों पर अकबर बंजारे की करोड़ों रुपये की जमीन खरीदने व बेचने की बातचीत चल रही थी। हाल में अकबर ने छह करोड़ की जमीन बेची थी।

सरकार पर बरसे अखिलेश यादवः महिला दरोगा के परिजनों से मिलने के बाद कहा– ध्वस्त है कानून व्यवस्था, सदन में उठाएंगे मामला

लखनऊ ब्यूरो : अमेठी जिले के मोहनगंज थाने के सरकारी आवास में फंदे से लटकी मिली महिला दरोगा के परिजनों से रविवार को सपा अध्यक्ष ने मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढ़स बंधाने के साथ ही न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि महिला दरोगा की मौत पर समाजवादी पार्टी सदन में सरकार के सामने सवाल उठाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रविवार को दोपहर करीब दो बजे गोसाईंगंज स्थित मलौली गांव पहुंचे। उन्होंने महिला दरोगा रश्मि यादव के पिता मुन्नालाल और माता रामादेवी से मुलाकात की मुलाकात कर शोक व्यक्त किया साथ ही मृतिका की छोटी बहन पूजा यादव ज्योति व भाई अंशु से भी बातचीत की। परिजनों से मिलने के बाद अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि यह पहली घटना नहीं। लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं जहां पुलिस को आत्महत्या करनी पड़ रही है। उसका कारण है कि पुलिस पर दबाव डालकर काम कराया जा रहा है। अखिलेश ने कहा कि लखनऊ में ही पुलिस की जीप से लड़के को कुचल कर मार दिया गया। आवाज उठाने ओर परिजनों को जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। उधर बस्ती जिले में पचास लाख की फिरौती के लिए बच्चे को उठा लिया जाता है। यही नहीं इसी भाजपा

सरकार में ही एटा पुलिस को जेल जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आवाज उठाने वालों का मुंह बंद कराना चाह रही है। बलिया में नकल माफियाओं के खिलाफ आवाज उठाने पर पत्रकारों को जेल भेज दिया गया। प्रदेश में महिला अपराध बढ़ते जा रहे हैं। यही नहीं प्रदेश में इस कोने से लेकर उस कोने तक मुख्यमंत्री की जाति के ही अफसर तैनात हैं।अखिलेश ने प्रदेश की दर्जनों वारदातों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में अपराध थमने का नाम नही ले रहा है।

मेरठ के खिलाड़ी देश–विदेश में गाड़ रहे सफलता के झंडे : प्रतिभा के दम पर बदला सरकार का रुख

मेरठ ब्यूरो : खेती–किसानी में पहचान रखने वाले पश्चिमी उप्र से खेल प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता के झंडे गाड़ रहीं हैं। बीते 74 सालों में हॉकी, क्रिकेट, कुश्ती, एथलेटिक्स, शूटिंग से लेकर विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने अपना परचम लहराया है। क्रिकेट में भुवनेश्वर कुमार, प्रियम गर्ग, कर्ण शर्मा, एथलेटिक्स में प्रियंका गोस्वामी, सीमा अंतिल, अन्नू रानी, पारुल चौधरी, शूटिंग में शहजर रिजवी, सौरभ चौधरी, शपथ भारद्वाज, शार्दूल विहान, कुश्ती में अलका तोमर को आदर्श मानकर यहां युवा खिलाड़ियों की की फौज तैयार हो रही है। भुवनेश्वर बने नए स्विंग मास्टर मेरठ के प्रवीण कुमार ने स्विंग को अंतरराष्ट्रीय फलक पर नई पहचान दी थी। उनके बाद युवा क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार ने स्विंग का जादू कायम रखा। गंगानगर सी–पॉकेट निवासी भुवी ने आईपीएल में जबरदस्त गेंदबाजी कर अलग जगह बनाई है। आज उनका नाम प्रतिष्ठित क्रिकेटरों में शुमार है। पैदल चाल में प्रियंका के नाम नेशनल रिकॉर्ड माधवपुरम सेक्टर–3 निवासी 26 वर्षीय एथलीट प्रियंका गोस्वामी 10 व 20 किमी. पैदल चाल की राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में 20 से ज्यादा पदक अपने नाम कर चुकी हैं। नेशनल रिकॉर्ड के साथ टोक्यो ओलंपिक में प्रतिभाग के बाद वो एशियन गेम्स के लिए बंगलुरू साई सेंटर में पसीना बहा रही हैं। कम उम्र में तय किया ओलंपिक का सफर कलीना निवासी 19 वर्षीय शूटर सौरभ चौधरी 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के गोल्डन ब्वॉय कहे जाते हैं। यूथ ओलंपिक, आईएसएसएफ वर्ल्डकप, वर्ल्ड चौंपियनशिप सहित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में 21 पदक जीत चुके हैं। इनमें 14 स्वर्ण, 5 रजत व 2 कांस्य हैं। सौरभ टोक्यो ओलंपिक में पदक के मजबूत दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। कद छोटा और इरादे बड़े सरधना के बहादरपुर गांव निवासी अन्नू रानी एशियन गेम्स में पदक के साथ 2014 कॉमनवेल्थ में प्रतिभाग कर चुकी हैं। वर्ल्ड चैम्पियनशिप में जाने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी

बनीं। ओलंपिक तक का सफर तय किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला खिलाड़ियों का कद 6 फीट से भी ऊपर है, लेकिन अन्नू रानी ने 5 फीट के सामान्य कद से उम्मीदों को सातवें आसमान की उड़ान दी।रूपल बनीं एथलेटिक्स में उम्मीद रोहटा रोड निवासी 18 वर्षीय रूपल एथलेटिक्स में नई उम्मीद की किरण हैं। वह सात राष्ट्रीय स्तर के पदक अपने नाम कर चुकीं हैं। जून में होने वाले एशियन गेम्स ट्रायल्स की तैयारी में जुटी हैं। 22 अप्रैल को उन्होंने लखनऊ में 400 मी. दौड़ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता।तीन दशक तक हॉकी में छाए मेरठी 70, 80 व 90 के दशक में मेरठ की हॉकी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जबरदस्त धूम मचाई। हॉकी खिलाड़ी एमपी सिंह, रोमियो जेम्स, स्व. हरिप्रसाद, चार सगे भाई आनंद चतुर्वेदी, हेमप्रकाश चतुर्वेदी, प्रेमप्रकाश चतुर्वेदी और प्रमोद चतुर्वेदी, प्रवीण शर्मा सहित 20 से ज्यादा खिलाड़ियों ने मेरठ को पहचान दी।सरकार को सुविधाएं देने पर किया मजबूर टोक्यो ओलंपिक में शामिल होने वाले उप्र के 11 खिलाड़ियों में नौ वेस्ट यूपी से थे। मेरठ के 5 खिलाड़ी थे। 74 सालों में पहली बार ओलंपिक में मेरठ की यह बड़ी भागीदारी रही। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा के दम पर प्रदेश सरकार को सुविधाएं देने को मजबूर कर दिया। इसके चलते सरधना के सलावा में 700 करोड़ की लागत से उप्र का पहला मेजर ध्यानचंद खेल विवि बन रहा है। वहीं स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तरीय शूटिंग रेंज का निर्माण जारी है।

मेरठ से शुरूक्रांति की ज्वाला से झुलस गई थी ब्रिटिश हुकूमत : इतिहास में दर्ज हो गई 10 मई

मेरठ ब्यूरो : 25 मार्च का दिन इतिहास में अहं महत्व रखता है। इस दिन मंगल पांडे ने अंग्रेजों के खिलाफ बैरकपुर छावनी में बगावत कर दी थी। मंगल पांडे ने बैरकपुर छावनी में चर्बी वाले कारतूसों को लेकर अंग्रेज अफसरों के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। इसके बाद मेरठ में तीसरी इंफेंट्री के 85 सिपाहियों ने भी बगावत शुरू कर दी थी। 10 मई 1857 को क्रांति की तारीख माना जाता है। क्रांति की इस तारीख की नींव 25 मार्च को ही पड़ गई थी। जब मंगल पांडे ने बैरकपुर छावनी में चर्बी वाले कारतूसों को लेकर अंग्रेज अफसरों के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। इसके बाद मेरठ में तीसरी इंफेंट्री के 85 सिपाहियों ने भी बगावत शुरू कर दी थी। 8 अप्रैल को मंगल पांडे को फांसी पर चढ़ा दिया गया था। इससे भारतीय सिपाहियों में अंग्रेजों के खिलाफ नफरत और बढ़ गई थी। सिपाहियों के साथ देशवासियों में क्रांति की खातिर रोटी–कमल का संदेश गांव–गांव जाने लगा था। अंदर ही अंदर चिंगारी सुलग रही थी। तभी बड़ी चूक मेरठ में अंग्रेज अफसरों ने कर दी। इसके बाद क्रांति की माटी से आजादी का सुनहरा सपना दिखाने वाली ज्वाला जल उठी। मेरठ छावनी में घटित हुआ घटनाक्रम 23 अप्रैल 1857 मेरठ छावनी में भारतीय पलटन की तीसरी अश्वारोही सेना के कमांडर ने अगली सुबह सिपाहियों को परेड ग्राउंड में पहुंचने का निर्देश दिया, जहां उन्हें चर्बी वाली एक विशेष गोली को चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उसी रात सिपाहियों ने गंगाजल और कुरान हाथ में लेकर शपथ ली कि वे चर्बी वाली गोली का विरोध करेंगे। 24 अप्रैल 1857 परेड ग्राउंड में पहुंचे 90 में से 85 सिपाहियों ने नई गोली के इस्तेमाल का विरोध कर दिया। इसके बाद इन सभी के लिए 25, 26 और 27 अप्रैल को जांच बैठा दी गई और तय हुआ कि विद्रोही सिपाहियों का कोर्ट मार्शल किया जाएगा। 30 अप्रैल

से 7 मई 1857 इस बीच मेरठ के कई हिस्सों में छोटी–मोटी आग लगने की घटनाएं हुई। कई सरकारी दफ्तरों के छप्पर जला दिए गए। अंग्रेज इसकी वजह गर्मी मानते रहे, जबकि यह क्रांति का एक बड़ा संकेत था। 6 से 8 मई 1857 कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया चली। 80 सिपाहियों को 10 साल, जबकि 5 सिपाहियों को पांच साल की सजा सुनाई गई। 9 मई परेड ग्राउंड में सभी सिपाहियों को इकट्ठा करके पहले तो उनसे असलहा छीने गए और फिर वर्दी उतरवाई गई। सभी को जंजीरों में जकड़कर जेल भेज दिया गया। बाजार में उन पर लोगों और नगरवधुओं के ताने पड़े तो उनका खून भी खौल उठा। इतिहास में दर्ज हो गई 10 मई रविवार का दिन था, अंग्रेज छुट्टी के मूड में थे। कोई बाजार में खरीदारी कर रहा था तो कोई चर्च में प्रार्थना करने गया था। तभी शाम करीब 5:30 बजे सदर बाजार से क्रांति की ज्वाला धधक उठी। पैदल सेना के परेड ग्राउंड में फायरिंग शुरू हो गई। अंग्रेज अफसरों को निशाना बनाया गया। 6:15 बजे तक दोनों जेल तोड़ दी गई। भारतीय सिपाही विद्रोह कर चुके थे। अगले दो घंटे में छावनी इलाका जल उठा। शाम 7:30 बजे के आसपास ये सभी रिठानी गांव के निकट इकट्ठा हुए और दिल्ली कूच कर गए। अगले दिन सुबह ये नावों के बने पुल को पार कर यमुना किनारे लाल किला की प्राचीर तक पहुंचे। इधर रात के हमलों से संभलकर ब्रिटिश सैनिकों ने भी दिल्ली कूच किया, लेकिन तब तक क्रांति की ज्वाला धधक चुकी थी।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

लिसाड़ी रोड पर दिनदहाड़े युवक की चाकू से गोदकर हत्या

मेरठ ब्यूरो : मेरठ के लिसाड़ी रोड पर रविवार को दिनदहाड़े 20 वर्षीय साजिद की सड़क पर चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए। परिजनों ने लिसाड़ी गेट चौराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा–बुझाकर शांत कराया और

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार लिसाड़ीगेट क्षेत्र के घंटे वाली गली निवासी यूनुस ने बताया कि शनिवार को बेटे राशिद का घर में शराब पीने को लेकर चाचा नौशाद जावेद शहजाद से झगड़ा हो गया था । लिसाड़ी गेट थाने में आरोपियों के खिलाफ शिकायत की थी। लेकिन परिवार के लोगों ने देर रात समझौता करा दिया था। रविवार सुबह साजिद लिसाड़ी रोड पर मस्जिद से नमाज पढ़कर वापस लौट रहा था, तभी चाचा होने मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया। चाकू से कई वार किए गए। जिसके बाद हमलावर स्कूटी से फरार हो गए। पूरी वारदात बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी लगने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मौके पर ब्रह्मपुरी व लिसाड़ी गेट पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी विवेक यादव का कहना है कि मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

त्योहारों के मद्देनजर पुलिस ने एसएसपी के निर्देश पर किया दंगा नियंत्रण ड्रिल का रिहर्सल

मेरठ ब्यूरो : मेरठ में ईद के त्योहार के मद्देनजर एसएसपी की निर्देश पर रविवार को पुलिस ने दंगा नियंत्रण ड्रिल का रिहर्सल किया। इस दौरान शहर के विभिन्न थानों के पुलिस अधिकारियों और सिपाहियों ने प्रतिभाग किया। वहीं मेरठ के अतिरिक्त बागपत जनपद में भी पुलिस अधिकारियों और सिपाहियों ने दंगा नियंत्रण ड्रिल में हिस्सा लिया। आगामी त्योहारों को देखते हुए एसएसपी प्रभाकर चौधरी के आदेशानुसार जिले के

सभी सर्किलों में थानों पर तैनात पुलिस फोर्स द्वारा दंगा नियंत्रण ड्रिल का रिहर्सल किया गया। इस ड्रिल का मकसद पुलिसकर्मियों को शांति व्यवस्था बनाए रखने और दंगे की स्थिति से निपटने और दंगों पर नियंत्रण के लिए तैयार करना था। दंगा नियंत्रण रिहर्सल के दौरान जनपद मेरठ में तैनात समस्त अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे। जिन्होंने दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ ड्रिल का रिहर्सल किया। इस दौरान एसएसपी ने सभी पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इसी तरह बागपत में भी पुलिस अधीक्षक पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा पुलिस लाईन में आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत दंगा नियंत्रण उपकरण के साथ बलवा ड्रील का अभ्यास कराया गया। इस ड्रिल के अभ्यास के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के सम्बंध में सभी पुलिसकर्मियों को दिशा निर्देश भी दिए गए।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

विश्वास वह पंक्षी है जो प्रभात के पहले ही प्रकाश देखना शुरु कर देता है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

पड़ोसी देश श्रीलंका का भीषण है संकट

श्रीलंका के मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार केवल एक महीने के सामान आयात के भुगतान के लिए पर्याप्त हैं। नतीजतन उसने मदद के लिए भारत और चीन से संपर्क किया। भारत द्वारा श्रीलंका को दी गई एक अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन के तहत 40,000 टन डीजल ले जाने वाला जहाज श्रीलंका पहुंच गया है। यह बताया गया है कि कोलंबो ने आवश्यक वस्तुओं के आयात के लिए भारत से एक अरब डॉलर अतिरिक्त क्रेडिट लाइन की मांग की है।

भारत के पड़ोस में एक साथ सामने आए दो संकटों के कारण भले अलग–अलग हों, लेकिन उनका नतीजा एक है। पाकिस्तान में मुख्यधारा की दोनों वंशवादी राजनीतिक पार्टियों से ऊबी वहां की सर्वशक्तिमान सेना ने लोकप्रिय क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान पर दांव लगाया था। लेकिन पाकिस्तानी सेना का वह प्रयोग विफल हो गया, जिसके चलते वहां राजनीतिक उथल–पुथल और आर्थिक संकट गहरा गया। इमरान खान ने सत्ता में बने रहने के लिए सांविधानिक मानदंडों का उल्लंघन किया और डोनाल्ड ट्रंप की तरह अवज्ञा का परिचय दिया। अब उन्हें सुप्रीम कोर्ट की जांच का सामना करना पड़ रहा है।

श्रीलंका में, जो अपने शक्तिशाली लोकतंत्र और भारत–पाकिस्तान की तुलना में मानव विकास के पैमाने पर बेहतर होने का गर्व करता है, जनता ने एक ही परिवार के पक्ष में मतदान किया था, जिसके पांच सदस्य सत्ता में शीर्ष पदों पर आए। पहले से ही वहां की सुस्त अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन ने एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट को जन्म दिया, जिसके चलते अब राजनीतिक पतन अनिवार्य हो गया है। रविवार रात वहां पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया, सिर्फ राजपक्षे बंधु–राष्ट्रपति गोतबाया और प्रधानमंत्री महिंदा पद पर बने हुए हैं। स्थिति सुधारने के लिए लिए वयोवृद्ध वित्त मंत्री बासिल रोहाना राजपक्षे को मंत्रिमंडल से निकाला गया, जिन्हें अर्थव्यवस्था की बर्बादी के लिए जनता के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है।

आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी, कीमतों में तेज वृद्धि और बिजली कटौती के साथ श्रीलंका वर्ष 1948 में ब्रिटेन से आजादी के बाद की सबसे भयावह मंदी का सामना कर रहा है। भारत द्वारा आपातकालीन आपूर्ति और भारत, चीन से ऋण और आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मदद थोड़े समय के लिए कोलंबो को आर्थिक संकट से बचने में मदद कर सकती है। पर यह तभी संभव होगा, जब राजपक्षे परिवार की फिजूलखर्ची पर अंकुश लगे। राजपक्षे परिवार, जिसकी गलत नीतियों के कारण आज यह स्थिति बनी, इस राजनीतिक तूफान को शांत कर पाएगा या नहीं, यह तो निकट भविष्य में ही पता चलेगा।

श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पहले से ही अप्रैल, 2019 में चर्च में हुए आतंकी हमले के, जिसमें दो सौ से ज्यादा लोग मारे गए थे, सदमे से जूझ रही थी। कोविड–19 ने उसकी कमर ही तोड़ दी। खराब कृषि नीति और गलत समय पर खेती में किए गए नए प्रयोग ने उसकी स्थिति और बदतर कर दी। राजपक्षे परिवार ने अपने भ्रामक आर्थिक फैसलों और उधार ली गई राशि के अपव्यय से इसे और बढ़ा दिया। उनके तौर–तरीकों से ऐसा लग रहा था, मानो कोई उनसे सवाल करने वाला नहीं है।

सबसे बुरी बात यह थी कि आने वाली आपदा से निपटने के लिए सरकार के पास कोई योजना ही नहीं थी। ऐसे में यह संकट अपरिहार्य था। 2.2 करोड़ लोगों वाला यह द्वीपीय राष्ट्र दूध और ब्रेड जैसी बुनियादी जरूरतों की भारी कमी और लोगों की लंबी कतारों का सामना कर रहा है। प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं और सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर कोलंबो ने संकट और बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे की अपील पर वहां सर्वदलीय सरकार बनी है और नए मंत्रियों ने शपथ ली है।

पिछले शनिवार को हुई हिंसा के मद्देनजर राजधानी कोलंबो में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया और सरकार ने सुरक्षा बलों को व्यापक अधिकार देते हुए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी थी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध ने संचार और मीडिया को प्रभावित किया है। प्रधानमंत्री महिंदा के बेटे नमल ने, जो युवा एवं खेल मंत्री भी हैं, ब्लैक आउट को पूरी तरह से अनुपयोगी बताया, लेकिन उनके इस बयान से लोगों को शायद ही सांत्वना मिले। श्रीलंका अनेक समस्याओं से जूझ रहा है।

मसलन, खाद्य पदार्थों की कीमत सिर्फ मार्च में ही 25 फीसदी बढ़ गई। आसमान छूती महंगाई, सरकार की कमजोर वित्तीय स्थिति, गलत समय पर कर में कटौती और कोविड–19 महामारी ने राजस्व पैदा करने वाले पर्यटन उद्योग तथा विदेशों से आने वाले धन पर प्रतिकूल असर डाला। इससे पिछले कुछ महीनों में अर्थव्यवस्था की स्थिति बदतर हो गई है। जनवरी, 2020 से देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 70 फीसदी गिरकर फरवरी तक लगभग 2.3 अरब डॉलर रह गया।

श्रीलंका के मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार केवल एक महीने के सामान आयात के भुगतान के लिए पर्याप्त हैं। नतीजतन उसने मदद के लिए भारत और चीन से संपर्क किया। भारत द्वारा श्रीलंका को दी गई एक अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन के तहत 40,000 टन डीजल ले जाने वाला जहाज श्रीलंका पहुंच गया है। यह बताया गया है कि श्रीलंका के नई दिल्ली के साथ एक अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन पर हस्ताक्षर करने के बाद, कोलंबो ने आवश्यक वस्तुओं के आयात के लिए भारत से एक अरब डॉलर अतिरिक्त क्रेडिट लाइन की मांग की है।

क्रेडिट लाइन के अलावा भारत ने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका को 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा स्वैप और 50 करोड़ डॉलर की क्रेडिट लाइन ईंधन खरीद के लिए दी थी। चीनी तब तक ऋण नहीं देते, जब तक कि यह निवेश का हिस्सा न हो। श्रीलंका ने चीन से कहा है कि वह वित्तीय संकट से निपटने में मदद करने के लिए अपने ऋण भुगतान का पुनर्गठन करे। श्रीलंका चीन के साथ 2.5 अरब डॉलर की ऋण सहायता के लिए भी बातचीत कर रहा है।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि चीनी बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) के हिस्से के रूप में श्रीलंका को भारी निवेश और ऋण मिला, जिससे वह कर्ज के जाल में फंस गया है। लेकिन उनका कहना है कि श्रीलंका की आर्थिक दुर्दशा के लिए चीन एक कारण है, पर श्रीलंका की मौजूदा बदहाली के लिए सिर्फ वह जिम्मेदार नहीं है।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि द्विपक्षीय सौदों के बावजूद श्रीलंका को या तो अपने कर्ज का पुनर्गठन करना होगा या राहत के लिए आईएमएफ से संपर्क करना होगा। आईएमएफ के दरवाजे पर दस्तक देने से इनकार करने के बाद राजपक्षे सरकार ने हाल में कहा कि वह संकट से निकलने के लिए वैश्विक वित्तीय संस्था से बातचीत शुरू करेगी। लेकिन आईएमएफ की सहायता भारी शर्तों के साथ मिलती है और इसमें समय लगता है। श्रीलंका को इस संकट में उबरने में, जाहिर है, लंबा वक्त लगेगा।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश के उपाध्यक्ष बने चिराग गुप्ता

मुम्बई ब्यूरो : महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी कमिटी के दिशा निर्देश पर भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष संजय पांडेय ने कुर्ला उत्तर मध्य मुम्बई जिले के निवासी और भाजपा के जिम्मेदार कर्मठ कार्यकर्ता चिराग गुप्ता को उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। विदित हो कि उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव में भी चिराग गुप्ता को पार्टी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित कराने हेतु एक बड़ी जिम्मेदारी पार्टी द्वारा दिया गया था जिसमे वह काफी सफल रहे। भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत दादा पाटिल , मुम्बई अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढ़ा और उत्तर भारतीय मोर्चा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष संजय पांडेय के प्रति अपना आभार प्रकट करते हुए चिराग गुप्ता ने कहा कि पार्टी के द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को पार्टी

की नीतियों के अनुरूप सबका साथ सब का विकास के नारे को आत्मसात कर पूरी निष्ठा के साथ निभाया है और निभाता रहूँगा।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का जेसीआई जौनपुर ने किया जोरदार स्वागत

जौनपुर ब्यूरो : जेसीआई इण्डिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफएस दीदारजीत सिंह लोटे तथा मण्डलाध्यक्ष जेसीआई सेनेटर हिमांशू अग्रवाल के जनपद आगमन पर नगर की अग्रणी संस्था जेसीआई जौनपुर के अध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। सर्वप्रथम उनके आगमन पर कुत्तूपुर के पास संस्था के पदाधिकारियों द्वारा गाड़ियों के काफिले के साथ स्वागत किया गया और उन्हें जेसी बालवाड़ी विद्यालय ले जाया गया। वहां उनके कर कमलों से पौधरोपण किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने जेसीआई संस्था के विद्यालय के विषय में बताया। इसके पश्चात् वे जफराबाद स्थित केपी पाण्डेय इण्टर कालेज गये जहां संस्था द्वारा पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार विद्यालय के संस्थापक स्व. कमलापति पाण्डेय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जहां संस्था ने विद्यालय की आवश्यकता को देखते हुए मुख्य अतिथि के हाथों एक साउण्ड सिस्टम उपहार स्वरूप दिया। जिसमें संस्था के सदस्य और कार्यक्रम संयोजक संदीप जायसवाल का विशेष योगदान रहा। निवर्तमान अध्यक्ष गौरव सेठ और अध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय द्वारा विद्यालय के चार बच्चों को उनके समस्त शैक्षिक खर्च हेतु गोद लिया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि जेसीआई राष्ट्रीय स्तर पर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाती है। साथ ही जेसीआई जौनपुर द्वारा किये गये कार्य की सराहना की। मण्डलाध्यक्ष हिमांशू अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के शानदार और विनम्र व्यक्तित्व से लोगों का परिचय कराया। पूर्व मण्डलाध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने बताया कि जेसीआई जौनपुर जनपद की 58 वर्ष पुरानी संस्था है और समाज के प्रति सदैव तत्पर रहती है। कार्यक्रम अध्यक्ष गौरव सेठ,

मण्डल उपाध्यक्ष अविनाश जायसवाल, मण्डल उपाध्यक्ष वसुंधरा सिंह ने जेसीआई जौनपुर को बधाई दी। संस्थाध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय कहा कि आज के दिन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का जौनपुर आना जेसीआई परिवार के सौभाग्य का विषय है। विद्यालय के प्रबन्धक संजीव पाण्डेय ने संस्था के सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात् जनपद के सभी अध्यायों के साथ नगर स्थित होटल में बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में पूर्व मण्डलाध्यक्ष आलोक सेठ, पूर्व अध्यक्ष शशांक सिंह रानू, संजय बैंकर, रत्नेश गुप्ता, संजय गुप्ता, चेयरपर्सन कंचन पाण्डेय, सोनी जायसवाल, अनीता सेठ, सुधा बैंकर, नीतू गुप्ता, सत्य प्रकाश जायसवाल, प्रदीप जायसवाल, नीरज श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, आशुतोष जायसवाल, दिलीप सिंह, प्रदीप सिंह, अजय गुप्ता, आकाश केसरवानी, रंजीत सिंह सोनू, सर्वेश जायसवाल, दिलीप जायसवाल, मीनू श्रीवास्तव, पूनम श्रीवास्तव, बबिता जायसवाल, शिवानी चौरसिया, नीलम जायसवाल, अर्चना सिंह, आरती जायसवाल, विशाल तिवारी, शिवेन्द्र सेठ, सूर्यांक साहू आदि उपस्थित रहे।

आपको है ऋण की दरकार तो ऑनलाइन प्लेटफार्म से रहें खबरदार

अलीगढ़ ब्यूरो : अगर आपको ऋण की दरकार है और आप ऑनलाइन प्लेटफार्म यूजर हैं तो ऋण देने वाली ऑनलाइन एप से खबरदार रहें। आरबीआई ने ऐसे ही 137 ऑनलाइन लोन एप रडार पर ले ली हैं और उन्हें ठगी का बड़ा अड्डा करार दिया है। इसे लेकर बाकायदा आरबीआई से इशारा मिलने के बाद यूपी पुलिस की साइबर सेल ने इन 137 एप की सूची जारी की है। जिनके विषय में लोगों को आगाह किया है कि वे कभी इनका प्रयोग न करें अन्यथा ठगी सहित अन्य तरह की किसी मुसीबत में पड़ सकते हैं। साइबर थाना इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफार्म पर तत्कालीन लोन देने वाली एप को लेकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने चेतावनी जारी की है, जिसकी आड़ में साइबर अपराधी लोगों को चूना लगा रहे हैं। आरबीआई की जांच के दायरे में आईं 137 एप के विषय में बताया है कि इनका प्रयोग करने वाले लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। जांच में पता चल रहा है कि ये एप चीन सहित दूसरे देशों से संचालित हैं और अपने देश में उनके एजेंट लोगों को ठग रहे हैं। ये पहले किसी को भी लोन देते हैं। लोन देने से पहले फाइल चार्ज आदि के नाम पर रकम वसूलते हैं। फिर भारी भरकम ब्याज के साथ लोन की रकम वापस ले लेते हैं। इसके बाद भी और गलती से डिफाल्टर हो जाने पर दोनों ही हालत में ऋण वसूली वाले एजेंट उस व्यक्ति के विषय में आपत्तिजनक व अपमानजनक संदेश उसके परिचितों को भेजते हैं। इतना ही नहीं, जब आप इस एप के डिफाल्टर हो जाते हैं तो ये आपको डरा धमकाकर आपका मोबाइल हैक कर गाली देना, आपके संपर्कों को धमकाना, आपकी फोटो मार्फ कर मृत बताना या आपत्तिजनक दर्शा कर वायरल करने की धमकी देते हैं। फिर मोटी रकम वसूलकर ही आपका पीछा छोड़ते हैं। इस तरह के पीड़ित देश में आत्महत्या तक को मजबूर हुए हैं। ये स्थानीय स्तर पर मौटी कमीशन के दम पर अपने एजेंट तैयार करते हैं। मुंबई पुलिस अलीगढ़ से ले गई थी रालोद नेता को बात ज्यादा पुरानी नहीं, बल्कि अक्तूबर 2021 की है। जब मुंबई की साइबर सेल ने यहां सासनी गेट इलाके से एक रालोद नेता को उनके कार्यालय से गिरफ्तार किया था। उस समय खुलासा हुआ था कि रालोद नेता यहां बैठकर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने वाली एप चलाते हैं। उसके जरिये महाराष्ट्र में ठगी कर रहे हैं। इसके बाद भी आरबीआई ने इस तरह की ऑनलाइन एप पर शिकंजा कसा था। ये हैं आरबीआई के रडार पर आए एप यूपीए लोन, गोल्डमैन पेबैक, हैंडी लोन, रुपीकिंग, एमआई रुपे, वन लोन कैश एनी टाइम, एक्सप्रेस लोन, लोन ड्रीम, रुपया लोन, फ्लैश लोन मोबाइल, रुपया स्टार, वाह रुपया, कैश पार्क लोन, हू कैश, फर्स्ट कैश, क्लियर लोन, रुपया बॉक्स, छोटा लोन, रिच, लोन गो, आसन लोन, लाइव कैश, फास्ट रुपया, लोन फॉर्च्यून, कैश पॉकेट, इंस्टा लोन, अपना पैसा, सिक्का रुपया, कैश एडवांस, कैश पापा, लोन क्यूब, हैंड कैश, लोन होम स्मॉल, आई क्रेडिट, वेन क्रेडिट, समय रुपया, लेंड मॉल, सिल्वर पॉकेट, भारत कैश, मनी मास्टर, आसान लोन, वार्न रुपया, स्मार्ट कॉइन, लकी वॉलेट, यूपीओ लोन. कॉम, बडी लोन, कैश माइन, टायटो कैश, माई कैश लोन, सिंपल लोन, कैश मशीन लोन, पे के लिए, मिनट कैश, फास्ट पैसा, अधिक कैश, कैश बुक, हैंड कैश फ्रेंडली लोन, बेलोनो लोन, कोको लोन, विश्वसनीय रुपया कैश, अर्ली क्रेडिट ऐप, ईगल कैश लोन ऐप, कैश कैरी ऐप, कैश पार्क, रिच कैश, फ्रेश लोन, बेटविनर बेटिंग, रुपया मॉल, सन कैश, मिनट कैश, बस रुपया, ओब कैश लोन, ऑनस्ट्रीम, काश लोन, स्मॉल लोन, रुपिया बस, इंस्टा मनी, स्लाइस पा वाई, लोन क्यूब, आई कर्जा, मनी स्टैंड प्रो, पोकेमोनी, क्वालिटी कैश, लोन लोजी, फोरपे ऐप, रुपीप्लस, ड्रीम लोन, कैश स्टार मिनिसो रुपया, कैशपाल, फॉर्च्यून नाउ, क्रेडिट वॉलेट, पॉकेट बैंक, लोनजोन, फास्ट कॉइन, स्टार लोन, आसान क्रेडिट, एटीडी लोन, ट्री लोन, बैलेंस लोन, कैश बाउल, कैश करी, कैश मशीन, कैश पॉकेट लाइव कैश, कैश कोला, 66 कैश, कोको लोन, लोन रिसोर्स (डिसी), कैश होल, इजी बॉरो कैश लोन, इंडस्ट्रीज लोन, वॉलेट पेयी, कैश गुरु एप, गोल्ड कैश, ऑरेंज लोन, एंजेल लोन, लोन साथी, शार्प लोन, डेली लोन, स्काई लोन, मो कैश, जो कैश, बेस्ट पैसा, हैलो रुपया, हॉलिडे मोबाइल लोन, फोन पे, प्लम्प वॉलेट, कैशकैरी लोन ऐप, क्रेजी कैश, क्विक लोन ऐप, रॉकेट लोन, रुपया मैजिक, रश लोन, बेलोनो लोन ऐप, एजाइल लोन ऐप, कैश एडवांस 1, इनकम ओके।

चर्चाओं के बीच : डॉ कृष्णा चौहान

मुम्बई ब्यूरो : कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के बैनर तले पिछले दो वर्षों से बॉलीवुड की धरती पर कई तरह के अवार्ड क्रमशः बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक एवॉर्ड, लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड और महात्मा गांधी रत्न अवार्ड का आयोजन होता रहा है। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के संस्थापक व संचालक डॉ कृष्णा चौहान आगामी 4 मई को अपने जन्म दिन के अवसर पर भारतीय फिल्मों के पितामह कहे जाने वाले फिल्मकार दादासाहेब फाल्के की स्मृति में लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड समारोह 2022 का आयोजन अंधेरी मुम्बई स्थित मेयर हॉल में करने जा रहे हैं। इस अवसर पर बॉलीवुड की सेलिब्रिटीज तथा फिल्म विधा से जुड़े चर्चित शख्सियतों को सम्मानित किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर डॉ कृष्णा चौहान बॉलीवुड में चर्चा का विषय बने हुए हैं। डॉ कृष्णा चौहान न केवल एक कामयाब फिल्म निर्देशक एवं चर्चित समाज सेवक हैं बल्कि अवार्ड्स फंक्शन करने के मामले में सबसे अधिक सुर्खियों में रहने वाले पर्सनाल्टी माने जाते हैं। उनका एक अवार्ड फंक्शन सम्पन्न होता है और वह अपने अगले पुरस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं। उन्होंने इस वर्ष मुम्बई के मेयर

हॉल में 'बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2022' का सफल आयोजन किया इसके बाद इन्होंने नारी शक्ति सम्मान 2022 का सफल आयोजन करके यह सिद्ध कर दिया है कि वह अवार्ड्स के शंहशाह हैं। गोरखपुर यूपी के मूल निवासी डॉ कृष्णा चौहान पिछले 20 वर्षों से बॉलीवुड में सक्रिय हैं। इन्होंने अपना फिल्मी सफर बतौर सहयक निर्देशक शुरू किया था। इन्होंने कई एड फिल्म्स, म्यूजिक वीडियो बनाया है और अब बहुत जल्द ही हॉरर थ्रिलर फिल्म 'आत्मा डॉट कॉम' का निर्माण कार्य शुरू करने वाले हैं। इस फिल्म में नवोदित कलाकारों के साथ बॉलीवुड के कई नामचीन कलाकार अपने अभिनय का जलवा बिखेरते नजर आएंगे।

पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह का हुआ स्वागत

जौनपुर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : भाजपा के राष्ट्रीय नेता, पूर्व मंत्री व उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व प्रवक्ता सिद्धार्थ नाथ सिंह के आज भाजपा जौनपुर संगठन के कार्यक्रम में भाग लेने प्रयागराज से जौनपुर आते समय जगह जगह भाजपा कार्यकर्ताओं ने व कायस्थ समाज संगत पंगत के लोगो ने जगह जगह जोरदार स्वागत किया व स्वागत जुलूस निकाला गया। मुंगराबादशाहपुर में राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया चेयरमैन शिव गोविंद गुप्ता व भाजपा नेता राजीव केसरी के नेतृत्व में मछली शहर में मंडल अध्यक्ष सोनू जायसवाल के नेतृत्व में व नई गंज रेलवे क्रोसिंग पर संगत पंगत जिला संयोजक पंकज श्रीवास्तव हैप्पी अंकित श्रीवास्तव पत्रकार के नेतृत्व में व बाजिदपुर तिराहा पर भाजपा नगर मंत्री दीपक मिश्रा दीपू के नेतृत्व में गाजा बाजा के साथ जोरदार स्वागत किया गया स्वागत करने वालो में भाजपा नेता महेंद्र गुप्ता सुलभ श्रीवास्तव रामकृष्ण बिंद बाबाजी संजय सिंह पंकज सिंह उमेश चन्द श्रीवास्तव जटाशंकर मिश्रा शरद चन्द श्रीवास्तव शनि चौधरी आशीष जायसवाल नबाब रूसी भाई सैफ खान संदीप श्रीमाली हितेश श्रीवास्तव हैप्पी श्रीवास्तव कृष्ण कुमार जायसवाल बच्चा भइया अमित श्रीवास्तव अभिषेक श्रीवास्तव आदि कार्यकर्ताओ ने जोरदार स्वागत किया। अपने स्वागत से अभिभूत सिद्धार्थ नाथ सिंह

विधायक प्रयागराज ने कहा की भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी हैं कार्यकर्ता ही इसके जान है उन्होंने कार्यकार्ताओ से आह्वान किया कि मिसन 2024 के चुनाव में जी जान से लग जाये इस बार भी मोदी जी की सरकार भारी बहुमत से बनेगी और विपक्षी दलों का सफाया होगा और विश्व मे मोदीजी का डंका बजता रहेगा। उत्तर प्रदेश में योगीजी की सरकार जनहित में कार्य कर रही है इन्ही कार्यो के बल पर लोकसभा चुनाव में 80 सीट पर भाजपा का कमल खिलेगा उत्तर प्रदेश में एक भी सीट विपक्षी दल नहीं पाएंगे न ही उनका खाता खुलेगा क्योंकि अब उत्तर प्रदेश की जनता मोदी जी योगीजी को ही अपना नेता मानती हैं। भारी सुरक्षा के बीच जौनपुर पहुंचे सिद्धार्थ नाथ सिंह दोपहर बाद लखनऊ रवाना हो गए।

अलीगढ़ : उर्दू लेखक डॉ. नादिर अली के जनाजे में उमड़ी भीड़

अलीगढ़ ब्यूरो : जाने–माने उर्दू लेखक व एएमयू में उर्दू विभाग के शिक्षक डॉ. नादिर अली खान के जनाजे में भीड़ उमड़ पड़ी। जनाजे की नमाज व सुपुर्द–ए–खाक की वजह से एएमयू परिसर में वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी लगा दी गई। भीड़ के चलते जनाजे की नमाज एएमयू के एथलेटिक्स मैदान में पढ़ी गई। अमूमन यह नमाज मिंटो सर्किल कब्रिस्तान में पढ़ी जाती है। डॉ. नादिर का बीमारी के कारण शुक्रवार देर रात इंतकाल हो गया था। डॉ. नादिर अली, सूरा तबलीगी जमात के सदस्य थे। वह अपने बेटे खान मोहम्मद यासिर के साथ अलीगढ़ में रह रहे थे। 16 जून 1931 को रटोली, बागपत में जन्मे डॉ. नादिर अली ने उर्दू पत्रकारिता पर कई पुस्तकें लिखी हैं। उन्होंने भारत में इस्लामी महत्व के विभिन्न केंद्रों की यात्रा की, जहां उन्होंने शेख उल हदीस मोहम्मद जकारिया अल कांधलवी (1898–1982) और महान समाज सुधारक मौलाना मोहम्मद यूसुफ कांधलवी जैसे प्रख्यात धार्मिक विद्वानों से मुलाकात की। एएमयू कुलपति प्रो. तारिक मंसूर ने कहा कि डॉ. नादिर अली खान एक समर्पित शिक्षक थे, जिन्हें अपने छात्रों के साथ ज्ञान साझा करना पसंद था। उनका निधन विश्वविद्यालय के लिए बड़ी क्षति है। उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रो. मोहम्मद अली जौहर ने कहा कि डॉ. नादिर ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों व युवा सहयोगियों का एक दृढ़ समर्पण के साथ मार्गदर्शन किया। डॉ. नादिर एक प्रसिद्ध लेखक थे, जिन्होंने बड़ी संख्या में साहित्यिक और शैक्षणिक कार्य प्रकाशित किए। वह अपनी पुस्तक 'ए हिस्ट्री इन उर्दू जर्नलिज्म : (1822–1857, 1991) के लिए प्रसिद्ध हैं। यह पुस्तक नौ अलग–अलग शहरों के समाचार पत्रों की समीक्षा एवं अध्ययन प्रस्तुत करती है। उर्दू एकेडमी के पूर्व निदेशक डॉ. राहत अबरार ने कहा कि डॉ. नादिर अली के जनाजे की नमाज में जितनी भीड़ थी, उतनी भीड़ कभी नहीं देखी। डॉ. नादिर के दामाद रहे तीन राष्ट्रपतियों के स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. राहत अबरार ने बताया कि डॉ. नादिर अली की चार बेटे व दो बेटियां हैं। इनके दामाद डॉ. मोहसिन वली देश की राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के स्वास्थ्य सलाहकार रहे हैं।

अलीगढ़ में अधूरे मानक पर सात बसों के काटे चालान

अलीगढ़ ब्यूरो : मोदीनगर में निजी स्कूल की बस में छात्र की मौत होने के बाद मुख्यमंत्री के आदेश पर शनिवार को जनपद के सभी स्कूली बसों का भौतिक सत्यापन शुरू हुआ। पहले दिन 12 टीमों ने 65 बसों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान मानक पूरे न मिलने पर सात बसों के चालान काटे गए। शहर के नामचीन स्कूलों से लेकर गली–मोहल्ले के छोटे–बड़े निजी स्कूलों में आरटीओ दफ्तर के अधिकारी–कर्मचारी अपनी अपनी टीम के साथ पहुंचे। एक–एक करके सभी बसों के कागजात चेक किए गए। साथ ही बस का भौतिक सत्यापन भी किया। इस दौरान पेंट, इंश्योरेंस जैसे मानक पूरे न करने वाली सात बसों का चालान किया गया। एक बस का चालक ड्राइविंग लाइसेंस नहीं दिखा पाया था, जबकि अधिकांश बसें सही स्थिति में मिलीं। आरटीओ केडी सिंह गौर, आरटीओ प्रवर्तन फरीदउद्दीन, एआरटीओ प्रशासन रंजीत सिंह,

एआरटीओ प्रवर्तन अमिताभ चतुर्वेदी और आरआई चंपा लाल निगम के नेतृत्व में 12 टीमें चेकिंग अभियान चला रही हैं।

पिछले दो वर्षों में किसी भी साल नहीं मिले 12 से अधिक मलेरिया मरीज

जौनपुर सू.वि. : जनपद में मलेरिया पर काबू पाने के लिए विभाग हर स्तर पर प्रयास कर रहा है। वहीं पिछले दो वर्षों में हर वर्ष 12–12 मलेरिया रोगी मिले हैं। यह कहना है जिला मलेरिया अधिकारी (डीएमओ) भानु प्रताप सिंह का। उन्होंने बताया कि मलेरिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। डीएमओ बताते हैं कि आबादी क्षेत्र में मच्छरों का घनत्व जितना कम होगा उतना ही लोग मलेरिया से सुरक्षित होंगे। इसके चलते ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को नष्ट कराया जा रहा है। एंटी लार्वा का छिड़काव तथा फागिंग भी हो रहा है। इस कार्य में नगर विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग सहयोग कर रहे हैं। बुखार ग्रसित सभी रोगियों की जांच के लिए सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देशित किया गया है जिससे समय पर मलेरिया की पहचान कर मरीज को 14 दिन का उपचार दिया जा सके। इन कार्यों की मानीटरिंग एवं सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के लिए जिले के सभी पांच मलेरिया निरीक्षकों को 21 ब्लाक आवंटित किए गए हैं। मार्च तक 7,774 रोगियों की मलेरिया जांच की जा चुकी है लेकिन कोई भी मलेरिया धनात्मक नहीं मिला। कैसे होता है मलेरिया – मलेरिया मादा एनीफिलीज मच्छर के काटने से होता है। मलेरिया हो जाने पर रोगी को ठंड देकर नियमित अंतराल पर बुखार आता है और बुखार छोड़ते वक्त पसीना होता है। समय पर दवा न मिलने पर रोगी अत्यधिक कमजोर हो जाता है। कैसे करें बचावः मलेरिया से बचाव के लिए रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। आसपास गंदा पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। साफ–सफाई रखनी चाहिए। बुखार होने पर तुरंत अच्छे डॉक्टर को दिखाना चाहिए। सही समय पर निदान उपचार होने से रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो जाता है। कहां–कहां है सुविधाः मलेरिया की जांच की सुविधा जिला मुख्यालय के अलावा सभी सीएचसी/पीएचसी पर उपलब्ध है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता क्षेत्र में जाकर रोगी की पहचान कर रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) किट से त्वरित जांच करते हैं। जांच में मलेरिया धनात्मक पाए जाने पर रोगी का निःशुल्क पूर्ण उपचार किया जाता है। वेक्टर जनित (संक्रामक) रोगः मलेरिया का प्रसार मादा एनीफिलीस मच्छर के काटने से होता है। एक अंडे से मच्छर बनने की प्रक्रिया में पूरा एक सप्ताह का समाया लगता है। इस वजह से ही सप्ताह में एक बार एंटीलार्वा का छिड़काव किया जाता है। यदि किसी जलपात्र में पानी है तो उसे सप्ताह में एक बार जरूर खाली कर दें। जैसे कूलर, गमला, टिन का डिब्बा, नारियल का खोल, डिब्बा, फ्रीज के पीछे का डीफ्रास्ट ट्रे की सफाई हमेशा करते रहना आवश्यक है। दस्तक अभियान की उपलब्धि – संचारी रोग उन्मूलन अभियान तथा दस्तक अभियान के अंतर्गत डीएम ने दूसरी समीक्षा बैठक की। जागरूकता के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने 636 रैलियां निकालीं। ग्राम विकास विभाग (पंचायती राज) की ओर से प्रधानों ने 878 प्रभातफेरियां निकालीं। 1024 ग्रामीण नालियों की सफाई की गई। 2,151 झाड़ियों की कटाई, 227 इंडिया मार्का–2 हैंडपंप की मरम्मत तथा 197 प्लेटफार्म की मरम्मत की गई। 56 उथले हैंडपंप का चिह्नीकरण हुआ। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 915 शौचालय बनवाए गए। नगर विकास विभाग ने नगरीय क्षेत्र में 12,129 नालियों की सफाई करवाई। 131 वार्डों में फागिंग का कार्य कराया। पशुपालन विभाग ने 140 सुअरपालकों को संवेदीकृत किया। कृषि विभाग ने रोडेन्टा (चूहे–छछूंदर) से बचाव के लिए संवेदीकृत करने को 887 बैठकें की। उद्यान विभाग की ओर से दो पार्कों में 1,725 मच्छररोधी पौधे लगाए गए। 1738 प्रशिक्षित आशा कार्यकर्ताओं 1,50,496 घरों का भ्रमण कर लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक किया। 5,526 स्थलों पर पीने के पानी की स्वच्छता के लिए क्लोरिनेशन डेमो का आयोजन किया गया। नहीं मिला मलेरिया मरीज– दस्तक अभियान के अंतर्गत अभी तक 278 बुखार के रोगी चिह्नित किए गए। इनमें से 124 की मलेरिया जांच कराई गई लेकिन कोई भी रोगी धनात्मक नहीं मिला।

अलीगढ़ : विवादित बयान पर मौलाना तौकीर के खिलाफ दी तहरीर

अलीगढ़ ब्यूरो : इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल के मौलाना तौकीर रजा द्वारा दिए गए विवादित बयान 'सड़कों पर उतरेंगे मुसलमान तो किसी से रुकेंगे नहीं...' पर हिंदू महासभा विरोध में उतर आई है। शनिवार को हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव डॉ.अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुंन पांडेय की ओर से गांधीपार्क थाने में तहरीर दी गई। नौरंगाबाद बी दास कंपाउंड निवासी हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव डा. अन्नपूर्णा भारती (पूजा शकुन पांडेय) ने तहरीर में कहा कि 21 अप्रैल को मौलाना ने यह बयान मीडिया को दिया था। इस बयान में कहा गया था कि जिस दिन मुसलमान सड़कों पर आएगा तो किसी के कब्जे में नहीं आएगा। यह बयान बेहद आपत्तिजनक और देश में संवैधानिक व्यवस्था को चुनौती देने वाला है। साथ में न्याय व्यवस्था का अपमान करने वाला है। इससे देश की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी गई है। इस बयान से शांति व सौहार्द खराब हो रहा है। गांधीपार्क इंस्पेक्टर का कहना है कि तहरीर मिली है। जांच व उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शहर की यातायात व्यवस्था में होगा सुधार – एडीएम सिटी

अलीगढ़ ब्यूरो : शहर में सुबह से लेकर शाम तक लगने वाले जाम से निपटने के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार दिखाई पड़ेगा। इसको लेकर शनिवार को एडीएम सिटी राकेश कुमार पटेल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में

बैठक हुई। सहायक परिवहन संभागीय परिवहन अधिकारी अमिताभ चतुर्वेदी ने बताया कि रामघाट रोड पर अवर लेडी फातिमा, सीनियर सेकेंडरी स्कूल, संत फिदेलिस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रबंधकों के स्तर से जो बसें चलाई जा रही हैं वह मानक के अनुसार हैं। कतिपय स्कूलों में निजी बसें भी चलाई जा रही हैं जो मानक के अनुसार नहीं है। एडीएम सिटी ने ऐसी बसों एवं स्कूल स्वामियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने ओएलएफ के सामने खाली पड़ी जमीन पर पार्किंग बनाए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने निजी वाहन से बच्चों को स्कूल तक छोड़ने व लेने आते हैं। इससे रामघाट रोड, गांधीपार्क, एटा चुंगी, दुबे का पड़ाव चौराहा पर जाम लग जाता है। उन्होंने कहा कि स्कूल के समय प्रबंधक रोड पर अपने कर्मचारी व सिक्योरिटी गार्ड तैनात करें, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि अधिकांश स्कूलों की बसों को रोड किनारे खड़ा कर दिया जाता है, इससे भी जाम की स्थिति बनी रहती है। एडीएम सिटी ने कहा कि स्कूल, अस्पताल, मॉल, होटल प्रबंधकों के बीच एक बैठक होना बेहद जरूरी है। वे पार्किंग एवं ट्रैफिक समस्या के समाधान को कार्ययोजना साथ लेकर आएं। स्कूल में बसों की आवश्यकतानुसार पार्किंग बनाई जाए। होटल एवं मॉल प्रबंधक अपने स्टाफ एवं ग्राहकों के लिए अलग–अलग पार्किंग की व्यवस्था कराएं। उन्होंने दुबे का पड़ाव व क्वार्सी चौराहा, किशनपुर तिराहे पर लगी हुई लालबत्ती का समय सही कराने के निर्देश दिए। क्वार्सी की ओर जाने वाली सड़क के किनारे भवन निर्माण सामग्री विक्रेताओं के अतिक्रमण से भी जाम लगने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक यातायात मुकेश कुमार उत्तम, नगर मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार वर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी तृतीय श्वेताभ पांडेय, अपर नगर मजिस्ट्रेट केबी सिंह एवं सुधीर कुमार, सहायक परिवहन संभागीय अधिकारी अमिताभ चतुर्वेदी आदि थे।

अब हर माह की 24 तारीख को एफआरयू पर मनाया जाएगा पीएमएसएमए दिवस

जौनपुर सू.वि. : महीने में अब दो बार "प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) दिवस" का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन हर माह की 9 व 24 तारीख को होगा, पर इस बार 24 अप्रैल को रविवार का अवकाश होने के कारण 25 अप्रैल को 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व क्लीनिक' के रूप में मनाया जायेगा। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह ने दी। सीएमओ ने बताया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए नौ तारीख को जनपद की छह स्वास्थ्य इकाइयों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस का आयोजन पहले से ही हो रहा है। इससे वंचित गर्भवती के प्रसव पूर्व जाँच के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान को महीने में दो दिवस पर आयोजित करने का निर्णय लिया है। अब हर माह की 24 तारीख को जनपद के सभी प्रथम संदर्भन इकाई (एफआरयू) स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों पर 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व क्लीनिक' का आयोजन अप्रैल माह से शुरू किया जाएगा। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच) डॉ सत्य नारायण हरिश्चंद्र ने बताया कि केंद्र पर नियमित जांच व उच्च जोखिम युक्त गर्भवस्था से चिन्हित लाभार्थी को प्रसव पूर्व जाँच (एएनसी) कर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लायी जा सकती है। गर्भवती की नियमित निःशुल्क जांच एवं प्रसव पश्चात उचित देखभाल की सुविधा देने के लिए आयोजन का विस्तार किया जा रहा है। जिले में हर माह की नौ तारीख को सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित किए जाने वाले पीएमएसएमए दिवस के साथ अब हर माह की 24 तारीख को एफआरयू पर 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व क्लीनिक' को विस्तारित किया गया है। इन एफआरयू में मनेगा पीएमएसएमए दिवस – डॉ हरिश्चंद्र ने बताया कि इस बार 24 अप्रैल को रविवार के चलते 25 अप्रैल को एफआरयू सीएचसी मड़ियाहूं, बदलापुर, मछलीशहर, केराकत, शाहगंज तथा जिला महिला चिकित्सालय में पीएमएसएमए क्लिनिक–डे मनाया जायेगा। यह सेवाएँ मिलेंगी निःशुल्क – इस दिवस पर स्वास्थ्य इकाइयों पर समस्त गर्भवती की प्रसव पूर्व जाँचे (एएनसी) जैसे हीमोग्लोबिन, शुगर, यूरिन जांच, ब्लड ग्रुप, एचआईवी, सिफलिस, वजन, ब्लड प्रेशर एवं अन्य जाँचों की निःशुल्क सुविधा मौजूद है। इसके साथ ही टिटनेस–डिप्थीरिया (टीडी) का टीका, आयरन, कैल्शियम एवं आवश्यक दवाएं मुफ्त दी जाएंगी। एचआरपी युक्त महिलाओं की पहचान, प्रबंधन एवं सुरक्षित संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा पोषण, परिवार नियोजन तथा प्रसव स्थान के चयन के लिए परामर्श भी दिया जाएगा।

अपर जिलाधिकारी द्वारा शाहगंज में स्थित विपणन शाखा सरायमोहिद्दीनपुर गेंहूँ क्रय केन्द्र का किया गया निरीक्षण

अलीगढ़ ब्यूरो : एएमयू के जेएन मेडिकल कालेज में फॉरेंसिक साइंस विभाग में अध्यापन के दौरान हिंदू देवी–देवताओं के बारे में अपमानजनक और आपत्तिजनक कंटेंट युक्त पीपीटी स्लाइड पढ़ाने के आरोपी प्रोफेसर जितेंद्र कुमार की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने का एलान करने वाले आचार्य भरत को रविवार सुबह से पुलिस ने नजरबंद कर लिया है। इधर, एएमयू के बाब–ए–सैयद गेट पर भी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। वहीं संस्था पदाधिकारियों की निगरानी बढ़ा दी गई है। आचार्य भरत तिवारी ने रविवार को एएमयू के गेट पर धरने के लिए बैठने का ऐलान किया था। इस कारण शनिवार रात्रि से ही पुलिस आचार्य भरत को ढूंढने में तलाश रही थी। रविवार सुबह उनको जलालपुर, लोधा में घर पर नजरबंद कर दिया। राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के संगठन मंत्री आचार्य भरत तिवारी शनिवार को सीओ तृतीय स्वेताभ पांडेय के पास पहुंचे थे। उन्होंने एएमयू

के प्रोफेसर जितेंद्र की गिरफ्तारी करने के लिए रविवार को धरने देने की अनुमति मांगी थी। मगर, सीओ ने अनुमति नहीं दी। आचार्य भरत तिवारी ने अकेले ही धरने पर बैठने की अनुमति मांगी थी। रात को वह किसी की शादी में चले गए। सुबह घर पर आते ही नजरबंद कर दिया है।

विधायक से बोला वार्ड ब्वाय : मैं किसी से डरने वाला नहीं

अलीगढ़ ब्यूरो : भाजपा विधायक अनिल पाराशर शनिवार को आम आदमी की तरह पं. दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय पहुंचे। बिना ड्रेस मिले वार्ड ब्वाय से सवाल करने पर वह विधायक पर भड़क गया और कहा, मैं किसी से डरने वाला नहीं हूं। वहीं, सीटी स्कैन कक्ष में मौजूद स्वास्थ्यकर्मी ने कहा, आप कौन हो, अपना पर्चा दिखाओ। पर्चा काउंटर में बाहरी व्यक्ति शराब के नशे में कुर्सी पर सोता मिला। इसके अलावा, शौचालयों में गंदगी और अस्पताल में अव्यवस्था मिली। विधायक ने कहा कि यहां के हालात देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि आम मरीज से कैसा व्यवहार होता होगा। उन्होंने दोनों कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए सीएमएस को कहा है। साथ ही, व्यवस्थाओं में सुधार के लिए सात दिन का समय दिया है। कोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनिल पाराशर शनिवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की तरह आम आदमी की तरह पं. दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय पहुंचे। बिना सुरक्षाकर्मियों के विधायक सिर पर गमछा एवं मुंह पर मास्क लगाए हुए थे। सबसे पहले वह पर्चा काउंटर पर पहुंचे। यहां पर भीड़ थी और एक ही व्यक्ति पर्चा बना रहा था। अंदर कमरे में कुर्सी पर एक व्यक्ति सोया हुआ था। फिर वह कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एसके सिंघल के कक्ष के बाहर पहुंचे, यहां पर मरीजों की ज्यादा भीड़ थी। कक्ष में तैनात वार्ड ब्वाय का व्यवहार देखकर विधायक हैरान रह गए। विधायक ने उससे पूछा कि आप कौन हो और ड्रेस क्यों नहीं पहनी, कैसे पता चलेगा कि आप स्टाफ हो तो वह बहस करने लगा। कहा कि मैं किसी से डरने वाला नहीं हूं। इसके अलावा, ओपीडी कक्ष के शौचालय बंद थे, जो खुले थे, उनमें गंदगी थी। वार्डों में कोई शिकायत सामने नहीं आई। इसके बाद वह सीटी स्कैन कक्ष में पहुंचे तो वहां पर स्वास्थ्यकर्मी का व्यवहार और ज्यादा खराब था। विधायक ने कर्मचारी से सुविधाओं से संबंधित सवाल

पूछे तो वह भी भड़क गया और कहा कि आप कौन हो, अपना पर्चा दिखाओ। विधायक अनिल पाराशर ने कहा कि अस्पताल के दो कर्मचारियों का व्यवहार बहुत खराब था। दोनों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से कहा गया है। रजिस्ट्रेशन काउंटर में सोता मिला व्यक्ति नशे में था। ओपीडी में मरीजों को टोकन नंबर नहीं दिए जाते हैं। मरीजों को टोकन नंबर देने और स्वास्थ्यकर्मी को ड्रेस में आने के लिए निर्देशित किया है। भीड़ होने पर काउंटर पर अतिरिक्त लोगों को लगाने के लिए भी कहा है। अस्पताल में ऑपरेशनों की संख्या बढ़ाने के लिए कहा है। – विधायक अनिल पाराशर सुबह 11 बजे अस्पताल में निरीक्षण करने पहुंचे थे। कुछ कर्मचारियों की शिकायतें सामने आई हैं। शौचालय में यूरेनल लगाने एवं सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए निर्देशित किया है। सभी कमियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन रूम में सोता मिला व्यक्ति बाहरी था। वह किसी तरह अंदर पहुंच गया था। – डॉ. अनुपम भास्कर, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक – बुलंदशहर की महिला ने रखी अस्पताल की लाज निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी के बाहर एक महिला स्ट्रेचर पर लेटी थी। पूछे जाने पर उसने अपना नाम बॉबी पत्नी संदीप, निवासी बुलंदशहर बताया। परिजनों ने बताया कि अस्पताल में अच्छी चिकित्सा सुविधा है, इसलिए बुलंदशहर से उपचार कराने आए हैं। महिला का ऑपरेशन हो गया है। अब वह बुलंदशहर जा रहे हैं। परिजनों ने बताया कि अस्पताल में किसी तरह की दिक्कत नहीं हुई।

गांधीपार्क बस अड्डे पर न यात्री शेड और न पानी

अलीगढ़ ब्यूरो : गांधीपार्क बस अड्डे से प्रतिदिन लगभग तीन हजार यात्री सफर करते हैं, लेकिन यहां पर यात्री सुविधाएं पूरी नहीं हैं। बस अड्डे पर यात्रियों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था नहीं है और न ही यहां पर शेड है। ऐसे में भीषण गर्मी में यात्रियों को धूप में खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है। प्यास लगने पर मजबूरन ठंडे पानी की बोतल खरीदनी पड़ती है। अवैध वेंडर यहां पानी बेचने का कारोबार करते हैं। यात्रियों का कहना है कि

हर टिकट पर सुविधा शुल्क भी लिया जाता है लेकिन यात्रियों को सुविधाएं नहीं मिलती हैं। शहर के बीचों–बीच सबसे व्यस्त गांधीपार्क बस अड्डे का जीर्णोद्धार 2016 में हुआ था। जनवरी 2017 से विभिन्न रूटों की बसों का संचालन शुरू हुआ। पांच साल से अधिक समय बीत चुका है। लेकिन यहां पर अभी तक जनता को शुद्ध और ठंडे पानी के साथ गर्मी से बचने के लिए छाया तक नसीब नहीं होती है। लोग धूप में खड़े होकर ही बसों का इंतजार करते हैं। वहीं, बस अड्डा परिसर में दो प्याऊ हैं, जिसमें एक प्याऊ से बढ़ते तापमान की वजह से गर्म पानी निकलता है, जबकि दूसरा आरओ प्लांट और वाटर कूलर खराब पड़ा है। इसका फायदा पानी बेचने का धंधा करने वाले उठा रहे हैं। अवैध वेंडर यहां पर बेरोक–टोक पानी की बोतल बेचते हैं। आरोप है कि इन्हीं वेंडरों की मिलीभगत से आरओ प्लांट और वाटर कूलर खराब कर दिया जाता है। अधिकारी इन वेंडरों पर कार्रवाई के बजाय आंखें मूंदे बैठे हैं। इन बसों का होता है संचालन – गांधीपार्क बस अड्डे से कासगंज, बरेली, आगरा, एटा, कानपुर, लखनऊ, मैनपुरी रूट की बसें चलती हैं। 24 घंटे में तकरीबन 60–70 बसें यहां से होकर गुजरती हैं, जबकि बुद्ध विहार डिपो की तकरीबन 40 बसें भी अलग से चलती हैं। – बस अड्डे के अंदर इमारत में छाया और पंखे की पर्याप्त व्यवस्था है। आरओ प्लांट ठीक कराने में तकरीबन 25–30 हजार रुपये लग जाएंगे। वाटर कूलर भी खराब है। जल्द ही दोनों को ठीक कराया जाएगा। वेंडर पंजीकृत नहीं हैं, लेकिन अगर कोई व्यक्ति बसों के अंदर लोगों को बोतल उपलब्ध करा रहा है तो इससे सवारियों को ही सहूलियत मिलती है। – योगेंद्रपाल सिंह, एआरएम बुद्ध विहार डिपो। प्याऊ के अंदर नहीं होती है साफ–सफाई – बस अड्डे की जिस प्याऊ का आरओ प्लांट और वाटर कूलर खराब है। उस कमरे का ताला महीनों से खुला नहीं है। वाटर कूलर के ऊपर मकड़ी के जाल और धूल जमी रहती है, जबकि आरओ प्लांट के नीचे गंदगी रहती है। मजबूरन खरीदना पड़ता है पानी – सिकंदराराऊ जा रही हूं। बस अड्डा परिसर में कहीं भी गर्मी से राहत के लिए छाया का इंतजाम नहीं है। ऊपर ठंडा पानी भी उपलब्ध नहीं है। मजबूरन 20 रुपये की पानी की बोतल खरीदी है। –मुंदरा, पला साहिबाबाद। – रोडवेज बस अड्डे पर लगी प्याऊ से गर्म पानी निकल रहा है। हद हो गई है। टिकट में इंश्योरेंस के साथ सुविधा शुल्क वसूला जाता है। लेकिन यात्रियों को कहीं भी ठंडा पानी उपलब्ध नहीं है। –आशा, कासगंज।

मौत ले गई नेपालः अलीगढ़ के कारोबारी की पत्नी और साली की पड़ोसी देश में गई जान

अलीगढ़ ब्यूरो : महानगर के जयगंज इलाके से कासगंज में अपने साढ़ू–साली संग नेपाल काठमांडू घूमने गए किराना कारोबारी की कार रविवार दोपहर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दौरान कारोबारी की पत्नी व साली की मौत हो गई है, जबकि खुद कारोबारी व साढ़ू की हालत बेहद नाजुक बताई गई है। नेपाल दूतावास के जरिए यह जानकारी शाम को अलीगढ़ जिला प्रशासन तक पहुंची। खबर मिलते ही परिवार नेपाल के लिए रवाना हो गया है। वहीं परिवार में कोहराम मच गया है। हालांकि देर शाम दोनों पुरुषों की मौत की भी चर्चा उठी, लेकिन इसकी अधिकारिक पुष्टि परिवार या प्रशासन की ओर से नहीं हो सकी। सासनी गेट के जयगंज गणेश कूचा के रहने वाले करीब 55 वर्षीय राकेश अग्रवाल का जयगंज में ही किराने का व्यापार है। परिवार के अनुसार पांच दिन पहले वो अपनी पत्नी साधना अग्रवाल व कासगंज अमापुर निवासी साढ़ू विमल अग्रवाल, उनकी पत्नी संध्या अग्रवाल संग नेपाल घूमने गए थे। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से मिली सूचना रविवार शाम जिलाधिकारी व एसएसपी को नेपाल के काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से ई–मेल के जरिए सूचना मिली कि काठमांडू के पास उनकी टैक्सी एक बस से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। जिसमें साधना व संध्या की मौत हो गई है, जबकि राकेश व विमल की हालत बेहद नाजुक है। उन्हें वहां आईसीयू में भर्ती कराया गया है। कार को नेपाली चालक चला रहा था। यह सूचना लेकर डीएम के निर्देश पर तहसीलदार कोल राकेश अग्रवाल के घर पहुंचे। तत्काल परिवार के सदस्य दिल्ली रवाना हो गए। दिल्ली से हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचेंगे। बताया गया है कि राकेश अग्रवाल के दो बेटों में बड़ा ऋषभ विवाहित है और पिता के व्यापार में हाथ बंटाता है। जबकि छोटा बेटा अक्षय अभी एक सीए के अधीन सेवारत है।

आजम खां विवाद पर पहली बार बोले अखिलेश यादव, कहा– सपा उनके साथ है, जमानत के लिए प्रयास करेंगे

लखनऊ ब्यूरो : आजम खान को लेकर अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। पूर्व सीएम ने आजम विवाद पर चुप्पी तोड़ते हुए पहली बार कहा समाजवादी पार्टी आजम खान के साथ है। हालांकि सीतापुर जेल में सपा प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करने पर आजम के इनकार करने पर सफाई देते हुए अखिलेश ने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि आजम से मिलने के लिए उन्होने किसी को नही भेजा है और न ही उनकी जानकारी में है। उन्होंने कहा कि आजम खान की जमानत के लिए समाजवादी पार्टी प्रयास करेगी। शनिवार को सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव आजम खां से मिलने के लिए जेल पहुंचे थे। मुलाकात के बाद उन्होंने बयान दिया था कि अखिलेश यादव आजम की जमानत के लिए प्रयास नहीं कर रहे हैं। अगर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव प्रदर्शन करते तो जरूर आजम को जमानत मिल जाती पर इसके लिए प्रयास नहीं किए गए। शिवपाल के इस बयान से हड़कंप मच गया। रविवार को सपा नेता रविदास मेहरोत्रा सीतापुर जेल गए थे पर आजम से उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि आजम खां ने मिलने से इनकार कर दिया। अखिलेश यादव रविवार को लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में महिला उपनिरीक्षक रश्मि यादव के परिजनों से मिलने के लिए गए थे। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग पर राजनीतिक

दबाव है। पुलिसकर्मियों का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है और उनकी मदद से सरकार कानून व्यवस्था को लेकर अपनी नाकामियां छिपा रही है। अमेठी जिले के थाना मोहनगंज में तैनात दरोगा रश्मि यादव का शव शुक्रवार को फांसी के फंदे से लटका मिला था। राजधानी लखनऊ के थाना गोसाईगंज की निवासिनी रश्मि यादव लगभग दो वर्षों तक थाना मोहनगंज में स्थापित महिला चौकी प्रभारी के पद पर तैनात रहीं। अखिलेश यादव ने रविवार को उनके परिजनों से मुलाकात की। अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिसकर्मियों का इस्तेमाल कर चुनाव जीते जा रहे हैं। पहले पंचायत चुनाव और फिर यूपी चुनाव में साफ नजर आया कि पुलिसकर्मियों पर भाजपा सरकार को जिताने का दबाव था।

नाबालिग को भगाने के आरोपी का बचाव करने वाले इंस्पेक्टर को एडीजी ने किया लाइन हाजिर

प्रयागराज ब्यूरो : एडीजी प्रेम प्रकाश ने शनिवार की दोपहर सराय ममरेज थाने का औचक निरीक्षण करने के बाद इंस्पेक्टर आशीष कुमार को लाइन हाजिर कर दिया। इंस्पेक्टर के साथ ही दो दरोगा और एक सिपाही को भी लाइन हाजिर किया गया। एडीजी को थाने में ही कुछ फरियादी मिले जिन्होंने बताया कि कई अर्जियां देने के बाद भी उनकी रिपोर्ट नहीं दर्ज की जा रही है। शनिवार दोपहर एडीजी प्रेम प्रकाश सराय ममरेज थाने पहुंचे। थाने में कई फरियादी मौजूद थे। एडीजी ने सबको बुलाकर उनके आने का कारण पूछा। सोरों सिंधौरा गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि गांव के ही भानु प्रताप सिंह समेत अन्य लोग उसकी नाबालिग बेटी को भगा ले गए। लेकिन इंस्पेक्टर आशीष कुमार मुकदमा नहीं दर्ज कर रहे हैं। वह कई दिनों से थाने का चक्कर लगा रहे हैं। एडीजी के आदेश पर तुरंत मुकदमा दर्ज किया गया। वादी को एफआईआर की कॉपी देकर एडीजी ने पुलिस कर्मियों को जमकर फटकार लगाई। यही नहीं थाने पर लाल साहब निवासी सिरसा ने बताया कि एसआई राजू कृष्ण द्वारा उसे बगैर किसी अपराध के थाने पर बैठाया गया है। उससे मिलने आए परिजनों को कांस्टेबल अनिल कुमार यादव द्वारा थाने से भगा दिया गया। तीसरे शिकायत कर्ता ने थाने में तैनात एसआई दिनेश कुमार पांडेय पर शिकायती प्रार्थना पत्र को बदलवाने की शिकायत की। एडीजी प्रेम प्रकाश ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर सरायममरेज समेत चार पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया। पूरे प्रकरण की जांच सीओ हंडिया को सौंपी गई है। एसएसपी अजय कुमार ने बताया कि एडीजी की रिपोर्ट पर चारों पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत शाहपुर, विकास खण्ड–सिकरारा, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0शा0/ दिनांक 23.04.2022

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2022–23 में पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवां वित्त आयोग/मनरेगा बी. आर.जी.एफ. स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24.04.2022 से 30.04.2022 तक कार्यालय कार्य दिवस में पूर्वाह्न 10 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 30.04.2022 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष पूर्वाह्न 10 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू	प्रति घन मी0	
4	महीन बालू	प्रति घन मी0	
5	स्टोन ब्लास्ट 22.4 से 53 एम.एम.	प्रति घन मी0	
6	ईट गिट्टी	20–40 एम.एम.	
7	सरिया 2 एमएम, 3 एमएम, 4 एमएम	प्रति कुन्तल	
8	ह्यूम पाइप 250 एम.एम.	प्रति हजार	
9	ह्यूम पाइप 300, 600, 900 एमएम	प्रति नग	
10	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति घन मी0	
11	समर्सिबल पम्प 1 एचपी	प्रति सेट	
12	सिलिंग फैन/कैबल तार		
13	कन्ट्रक्शन ज्वाइण्ट		
14	पार्क बेंच/सी0सी0 बेंच		
15	साइन बोर्ड	प्रति नग	
16	टाइल्स शौचालय सेट	प्रति नग	
17	हैण्डपम्प सामग्री व रिबोर आदि	प्रति नग	
18	इण्टर लांकिग	प्रति नग	
19	हेल्थ एण्ड सैनिटेशन		
20	पंचायत भवन निर्माण सामग्री, फर्नीचर, कम्प्यूटर आदि क्रय		
21	खेल के मैदान पर सामग्री, ओपेन जिम पर सामग्री		
22	पेटिंग एवं चित्रकारी, स्टेश्नरी, अन्य व्यय		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता का वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0 50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान
आनन्द कुमार

ग्राम विकास अधिकारी
राजकुमार पाण्डेय

कार्यालय ग्राम पंचायत भुइला, विकास खण्ड–सिकरारा, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0भु0/ दिनांक 23.04.2022

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2022–23 में पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवां वित्त आयोग/मनरेगा बी. आर.जी.एफ. स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24.04.2022 से 30.04.2022 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न चार बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 30.04.2022 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपराह्न 4 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू	प्रति घन मी0	
4	महीन बालू	प्रति घन मी0	
5	स्टोन ब्लास्ट 22.4 से 53 एम.एम.	प्रति घन मी0	
6	ईट गिट्टी	20–40 एम.एम.	
7	सरिया 2 एमएम, 3 एमएम, 4 एमएम	प्रति कुन्तल	
8	ह्यूम पाइप 250 एम.एम.	प्रति हजार	
9	ह्यूम पाइप 300, 600, 900 एमएम	प्रति नग	
10	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति घन मी0	
11	समर्सिबल पम्प 1 एचपी	प्रति सेट	
12	सिलिंग फैन/कैबल तार		
13	कन्ट्रक्शन ज्वाइण्ट		
14	पार्क बेंच/सी0सी0 बेंच		
15	साइन बोर्ड	प्रति नग	
16	टाइल्स शौचालय सेट	प्रति नग	
17	हैण्डपम्प सामग्री व रिबोर आदि	प्रति नग	
18	इण्टर लांकिग	प्रति नग	
19	हेल्थ एण्ड सैनिटेशन		
20	पंचायत भवन निर्माण सामग्री, फर्नीचर, कम्प्यूटर आदि क्रय		
21	खेल के मैदान पर सामग्री, ओपेन जिम पर सामग्री		
22	पेटिंग एवं चित्रकारी, स्टेश्नरी, अन्य व्यय		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता का वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0 50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान
राजेन्द्र

ग्राम विकास अधिकारी
राजकुमार पाण्डेय

शहादत को सलामः नागालैंड में बागपत का जवान शहीद, शाम तक पैतृक आवास पहुंचेगा पार्थिव शरीर

बागपत ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के बागपत का जवान रविवार सुबह नागालैंड में शहीद हो गया। जवान की शहादत की खबर सुनकर क्षेत्र में शोक की लहर है। बताया कि असम राइफल्स में हवलदार के पद पर तैनात जवान धर्मेंद्र ने आज सुबह ही शहादत पाई। जानकारी के अनुसार छपरौली थानाक्षेत्र के मुकंदपुर गांव निवासी धर्मेंद्र असम राइफल्स में हवलदार के पद पर तैनात थे। उनकी तैनाती नागालैंड में थी। आज सुबह परिजनों को जैसे ही उनकी शहादत की सूचना मिली तो परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि जवान का पार्थिव शरीर आज शाम पांच बजे पालम एयरपोर्ट पहुंचेगा। यहां से पार्थिव शरीर उनके पैतृक आवास पर लाया जाएगा। जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ शहीद जवान का अंतिम संस्कार किया जाएगा। वहीं जवान की शहादत के बाद परिजन उनका पार्थिव शरीर लेने के लिए दिल्ली रवाना हो चुके हैं।

प्रयागराज सामूहिक हत्याकांड : लूटपाट न रंजिश घुमंतू गिरोह पर सबसे ज्यादा शक

प्रयागराज ब्यूरो : थरवई में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या के मामले में पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती हत्या का मकसद खोजने की है। परिवार की किसी से कोई रंजिश न होने के बाद लूटपाट के लिए हत्या की आशंका जताई गई, लेकिन जांच पड़ताल में यह थ्योरी भी महज कयास ही साबित हुई। ऐसे में शक की सुई घुमंतू गिरोह की ओर घूम गई है। इस आशंका के पीछे सबसे ज्यादा अहम कारण हत्याकांड को अंजाम देने के लिए अपनाया गया तरीका है। फिलहाल अफसरों का कहना है कि सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच पड़ताल की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद पुलिस अफसरों ने जांच पड़ताल शुरू की। घटनास्थल पर मौजूद रहे लोगों में से मासूम को छोड़कर सभी को मौत के घाट उतार देने की वजह से अफसरों का सबसे पहला शक पारिवारिक रंजिश की ओर गया। ऐसे में आला अफसरों ने मृतक दंपती के बेटे सुनील से पूछताछ की। पट्टीदारों से की गई घंटों पूछताछ उसके परिवार के साथ ही पट्टीदारों और करीबी रिश्तेदारों तक के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही यह जानने की कोशिश की कि परिवार की किसी से कोई रंजिश तो नहीं थी। पट्टीदारों को भी बुलवाया गया और उन्हें भी थाने लाकर घंटों पूछताछ की गई। लेकिन किसी तरह की रंजिश की बात सामने नहीं आई। संपत्ति को लेकर कोई विवाद या परिवार से जुड़ा कोई अन्य विवाद भी सामने नहीं आया। इसके बाद लूटपाट केलिए हत्या के एंगल पर जांच शुरू हुई। घर में सिर्फ एक ही ऐसा कमरा था, जिसमें सामान रखा था। इसी कमरे में आग लगाई गई थी। जांच पड़ताल में जुटी पुलिस टीम भीतर पहुंची तो इसमें रखा काफी सामान जल चुका था। आलमारी व बक्सा खुला था लेकिन लूटपाट जैसी कोई बात सामने नहीं आई। यहां तक कि मृतक का बेटा भी घर से कोई सामान गायब होने की बात नहीं बता सका। जिसके बाद लूटपाट के लिए हत्या की आशंका भी कमजोर पड़ गई। इसके बाद पुलिस की शक की सुई घुमंतू गिरोह की ओर घूम गई और फिर पुलिस टीमों को इसी बिंदु पर जांच के लिए लगा दिया गया। खानाबदोशों पर नजर, 12 हिरासत में जांच पड़ताल के दौरान यह बात सामने आई कि जिस तरीके से वारदात को अंजाम दिया गया, उससे इसमें घुमंतू गिरोह का हाथ होने की सबसे ज्यादा आशंका

है। जघन्य तरीके से हत्या, लूटपाट का मकसद न होना, किसी पारिवारिक रंजिश की बात सामने न आना, महिलाओं के कपड़े अस्त–व्यस्त होना समेत कई ऐसी बातें रहीं, जो वारदात में घुमंतू गिरोह के शामिल होने की ओर इशारा कर रही थीं। ऐसे में तत्काल ही एसओजी की टीमों को घुमंतू गिरोह की टोह लेने में लगा दिया गया। इसके बाद पुलिस टीमों ने न सिर्फ थरवई बल्कि बहरिया, फूलपुर, नवाबगंज, सोरांव, मऊआइमा समेत आसपास के इलाकों में खानाबदोशों के डेरों पर दबिश देना शुरू किया। यहां रहने वालों के बारे में पूछताछ की और संदिग्धों को हिरासत में भी ले लिया। डेरों की सघन तलाशी भी ली गई। देर रात तक विभिन्न डेरों से कुल 12 संदिग्ध उठा लिए गए थे। जिनसे पूछताछ चलती रही। डेयरी संचालक भी शक के दायरे में, तलाश पुलिस टीमें जांच पड़ताल में जुटे ही थे कि एक और अहम बात सामने आई। पता चला कि पड़ोस के ही एक गांव का डेयरी संचालक दंपती की बेटी व बहू पर गलत नजर रखता था। वह रास्ते से आने जाने के दौरान घर में ताकझांक भी करता था। यह बात सुनील को उसकी पत्नी ने भी बताई थी। पूछताछ के दौरान सुनील ने अफसरों को बताया कि गैर समुदाय का यह युवक अक्सर उसके घर की तरफ देखता रहता था। जिसके बाद पुलिस की टीम उसके तलाश में लगा दी गई। हालांकि देर रात तक उसका पता नहीं मिल सका था। सीडब्लूसी टीम पहुंची थरवई, बच्ची के बारे में ली जानकारी सीडब्लूसी चेयरमैन अखिलेश मिश्रा और सदस्य अरविंद कुमार शनिवार को थरवई पहुंचे और पांच लोगों की हत्या और घटना में बची बच्ची के बारे में जानकारी ली। टीम ने डीएम संजय खत्री से भी बच्ची के बारे में बात की। डीएम ने बताया कि घटना में बची बच्ची अपने नाना के घर है। उसे फिलहाल संरक्षण में लेने की आवश्यकता नहीं है। बच्ची के बारे में कुछ दिनों बाद निर्णय लिया जाएगा।

मनरेगा तकनीकी सहायकों, कंप्यूटर ऑपरेटर्स का वेतन बढ़ाने पर विचार करे यूपी सरकार : हाईकोर्ट

प्रयागराज ब्यूरो : महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 के तहत कार्यरत तकनीकी सहायकों और कंप्यूटर ऑपरेटर्स के लिए अच्छी खबर है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तकनीकी सहायकों और कंप्यूटर ऑपरेटर्स का वेतन बढ़ाने पर विचार करने केलिए उत्तर प्रदेश सरकार को समिति बनाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश सरकार इस मामले पर गौर करे। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने विमल तिवारी सहित 32 याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। याचियों की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार उन्हें कम पारिश्रमिक दे रही है। वह एक कल्याणकारी राज्य होने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पा रही है। याचियों का कहना था कि उन्हें लोक निर्माण विभाग की स्थापना में कार्यरत स्थायी कनिष्ठ अभियंताओं या तकनीकी सहायकों और कंप्यूटर ऑपरेटरों के समान निर्धारित वेतनमान, ग्रेड वेतन और अन्य भत्ते में नियमित वेतन प्रदान किया जाए। ग्राम विकास विभाग, पंचायती राज निर्माण विभाग सहित विभिन्न निगमों में भी इसी तरह का वेतनमान दिया जा रहा है। दिहाड़ी मजदूरों को भी मिल रहा उनसे अधिक वेतन उन्होंने न्यायालय के समक्ष तर्क दिया कि वे वही काम कर रहे हैं जो यूपी राज्य के लोक निर्माण विभाग और पंचायती राज विभाग में संबंधित पदों पर कार्यरत लोगों द्वारा किया जा रहा है। कोर्ट को बताया गया कि दिहाड़ी मजदूरों को भी उनसे अधिक वेतनमान दिया जा रहा है। कहा कि पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, मिजोरम और छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा उच्च मासिक परिलब्धियां तय की गई हैं, जिससे मासिक वेतन 18 हजार रुपये हो गया है। कुछ राज्यों में 35 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है, जबकि यूपी में आठ हजार रुपये ही प्रतिमाह मिल रहे हैं। याचिकाकर्ताओं को अनुबंध के आधार पर दिया जा रहा वेतन दूसरी ओर सरकारी अधिवक्ता की ओर से तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ताओं को अनुबंध के आधार पर मानदेय दिया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि चूंकि यूपी राज्य के लोक निर्माण विभाग और पंचायती राज विभाग में जूनियर इंजीनियरों के पारिश्रमिक के तुलनात्मक आंकड़े उसके पास नहीं हैं, इसलिए वह मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। कोर्ट ने मध्य प्रदेश राज्य बनाम आरडी शर्मा 2022 के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले का उल्लेख किया। जिसमें यह माना गया था कि समान काम के लिए समान वेतन मौलिक अधिकार नहीं है। हालांकि, यह सरकार द्वारा प्राप्त किया जाने वाला एक सांविधानिक लक्ष्य है। मामले में कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए याचियों को राहत देने से इनकार कर दिया। दिया जा रहा मासिक वेतन सभ्य जीवन के लिए कम हालांकि, कोर्ट ने यह पाया कि उनके द्वारा प्राप्त किया जा रहा मासिक वेतन एक सभ्य जीवन को बनाए रखने के लिए कम है। इसलिए उसने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ताओं का वेतन बढ़ाने के संबंध में समिति गठन करे। यह समिति तर्कपूर्ण निर्णय लेगी। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले में सुनवाई केलिए 27 मई की तिथि भी निर्धारित कर दी।

लॉकर से जेवरात पार करने का मामलाः सर्विलांस ने आरोपियों को किया बेनकाब : स्वरूपनगर था बड़ा ठिकाना

कानपुर ब्यूरो : कानपुर में सेंट्रल बैंक के 11 लॉकर से करोड़ों के जेवरात पार करने के मामले में सर्विलांस टीम ने आरोपियों को बेनकाब किया है। सबसे मजबूत व अहम साक्ष्य सर्विलांस से ही मिले हैं। जांच में स्पष्ट हुआ है कि जब–जब लॉकर तोड़े गए, तब–तब लॉकर इंजार्च और लॉकर कंपनी के कर्मचारी की लोकेशन एक थी। खासकर बैंक और स्वरूपनगर में। स्वरूपनगर में सराफ के यहां जेवरात ठिकाने लगाते थे। अब सराफ की भी छानबीन की जा रही है। उधर सोमवार को एसआईटी आरोपियों को दोबारा कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी देगी। डीसीपी पूर्वी प्रमोद कुमार ने बताया कि जब लॉकर इंचार्ज शुभम मालवीय व लॉकर कंपनी के कर्मचारी चंद्रपाल के मोबाइल नंबर की सीडीआर निकाली गई तो हैरान करने वाली जानकारी मिली। सितंबर व दिसंबर में जब लॉकर तोड़े गए, तो इन दोनों की लोकेशन एक साथ मिली। पहले बैंक में और फिर स्वरूपनगर में। पुलिस सभी आरोपियों की संपत्तियों का ब्योरा भी खंगाल रही है। केस में चार्जशीट लगाने के बाद आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई

होगी। इसके संपत्ति भी जब्त की जाएगी। शुभम मालवीय की कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज में संपत्ति मिली है। लखनऊ का मकान करीब पौन करोड़ रुपये का है। कहा जा रहा वह इस मकान को जेवरात के रुपयों से बनवा रहा था।

कातिलों ने कीं बर्बरता की हदें पार : मासूम बच्ची के भी सिर पर वार

प्रयागराज ब्यूरो : थरवई में हुए सामूहिक हत्याकांड में हत्यारों ने बर्बरता की सभी हदें पार कर दीं। हाल यह रहा कि ग्रामीण ही नहीं, जवान और पुलिस अफसर भी हैवानियत देख स्तब्ध थे। हत्यारों के सिर पर किस कदर खून सवार था, इसका पता इसी से चलता है कि एक साल की मासूम साक्षी पर भी उनका दिल नहीं पसीजा। उन्होंने सोते वक्त ही सिर पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। घटना के

बाद मौके पर सबसे पहले पहुंचे पुलिसकर्मियों ने चारपाई पर मृत पड़ी मां के ठीक बगल में उसका शव पड़ा देखा तो उनका भी कलेजा मुंह को आ गया। फाफामऊ–सहसों हाईवे से बमुश्किल तीन किमी की दूरी पर खेवराजपुर गांव स्थित है। यहां सड़क से लगभग सटे हुए मकान में ही राजकुमार यादव अपने परिवार समेत रहता था। वह मूल रूप से पड़ोस के ही वजीरपुर गांव का रहने वाला था, लेकिन कई साल पहले उसने खेवराजपुर में अपना मकान बना लिया था। चार भाइयों में वह दूसरे नंबर का था जबकि उसके तीन भाई राजेंद्र, प्रदीप, विजय पैतृक गांव में ही रहते हैं। दूध बेचकर करता था परिवार का भरण पोषण राजकुमार ने घर में ही भैंस व गाय पाल रखी है और दूध बेचकर वह अपने परिवार का पालन पोषण करता था। बताया जा रहा है कि भोर में 4.30 बजे के करीब गांव के ही कुछ लोग सामने से गुजरे तो घर से धुआं उठता देखा। सूचना पर जब थरवई पुलिस पहुंची तो मुख्य दरवाजा भीतर से बंद था। किसी तरह दरवाजा खोलकर पुलिसकर्मी भीतर पहुंचे तो एक चारपाई पर राजकुमार की बेटी की खून से लथपथ लाश दिखाई दी। कुछ ही दूर पर दूसरी चारपाई पर राजकुमार व उसकी पत्नी कुसुम मृत पड़े थे। पुलिसकर्मियों की नजर मुख्य दरवाजे के बाएं तरफ स्थित टिनशेड के बरामदे में गईं तो वहां दंपती की बहू व एक साल की पौत्री खून से लथपथ मृत पड़े थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सभी को बड़ी बेरहमी से मौत के घाट उतारा गया था। घटना में रॉड, डंडा और नुकीले हथियार का इस्तेमाल किया गया था।जिंदा बची साक्षी के सिर पर भी चोट के निशान मासूम साक्षी के माथे के साथ ही उसके सिर में चोट के निशान थे। ऐसे में आशंका है कि हत्यारों ने उसके सिर पर वार किया। साक्षी अपनी मां के साथ एक ही चारपाई पर सो रही थी और ठीक बगल में उसका शव पड़ा था। उसके सिर पर दाहिनी ओर गहरा जख्म था और माथे पर भी चोट के निशान थे। सिर से काफी खून भी बहा था, जिससे पूरा चेहरा खून से लथपथ हो गया था। उधर दंपती की बेटी के सिर में गहरा जख्म होने के साथ ही उसकी आंख पर भी चोट के निशान थे। ऐसा लग रहा था कि सिर पर भारी चीज से वार करने के साथ उसकी आंख को नुकीले हथियार से गोदा गया था। राजकुमार व उसकी पत्नी कुसुम के सिर के साथ–साथ चेहरे पर भी जख्म था। चोट देखने से साफ था कि सिर पर भारी चीज से वार करने के साथ–साथ उनके चेहरे पर भी ताबड़तोड़ वार किए गए थे। दरिंदगी का यह आलम देख सभी स्तब्ध थे। उधर सुनील का रो–रोकर बुरा हाल था। राख हो चुका था सामान इससे पहले, जिस बरामदे में दंपती की बहू व मासूम साक्षी का शव मिला, इसी से ठीक सटे हुए कमरे से धुआं उठ रहा था। पुलिसकर्मियों ने खिड़की से झांककर देखा तो भीतर लपटें उठ रही थीं। सूचना दी गई तो फायरब्रिगेड पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। आग बुझने के बाद पुलिस अफसर भीतर पहुंचे तो देखा कि काफी सामान जल चुका था। सुनील ने बताया कि अलमारी व बक्सा खुला हुआ था, लेकिन सामान जल जाने के कारण यह नहीं पता चला कि घर से कोई सामान गायब है या नहीं। हालांकि उसने यह भी बताया कि घर में बहुत ज्यादा नकदी नहीं थी और पत्नी के गहने भी उसके मायके में रखे हुए थे।मोबाइल को हाथ तक नहीं लगाया हत्यारों ने सुनील ने बताया कि उसकी शादी सात साल पहले हुई थी। पत्नी मऊआइमा की रहने वाली थी। जीवन यापन के लिए उसने प्रयाग स्टेशन के पास गुमटी खोल ली थी। दुकान देर रात तक खुली रखने केलिए रोज घर आना संभव नहीं हो पाता था, ऐसे में वह दो–तीन दिन पर एक बार घर आता था। उसने बताया कि शुक्रवार शाम उसकी घरवालों से बात हुई थी और तब सब कुछ सामान्य था। बताया कि पिता के पास ही मोबाइल फोन था और इसी से वह पत्नी व बच्चों से बात करता था। खास बात यह कि हत्यारों ने राजकुमार के मोबाइल फोन को हाथ तक नहीं लगाया। जांच पड़ताल के दौरान यह घटनास्थल से ही बरामद हुआ जिस पर फोरेंसिक टीम ने उसे कब्जे में ले लिया।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मो0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।